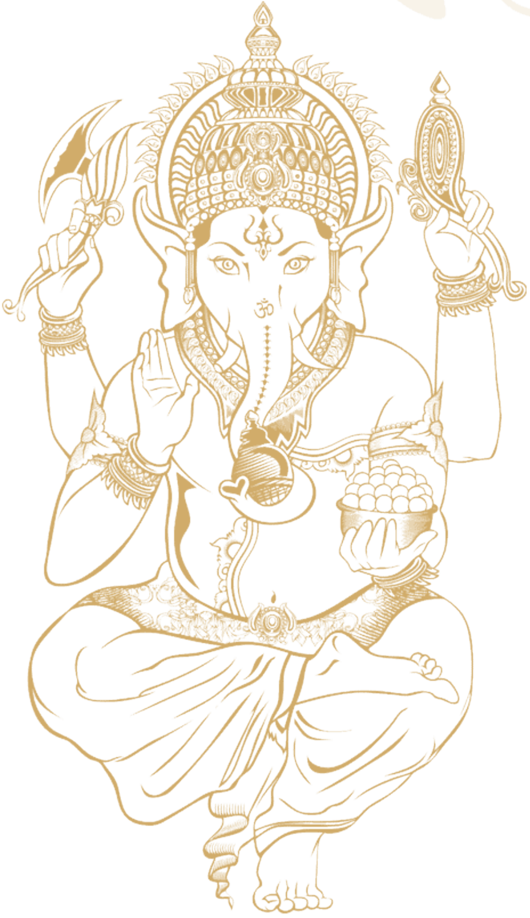

Male

10 Nov 1999

08:45 PM

Moradabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121878705

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **10/11/1999**
दिन	: बुधवार
जन्म समय	: **20:45:00 घंटे**
इष्ट	: 35:28:01 घटी
स्थान	: **Moradabad**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 28:50:00 उत्तर
रेखांश	: 78:45:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:15:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 20:30:00 घंटे
वेलान्तर	: 00:16:10 घंटे
साम्पातिक काल	: 23:47:22 घंटे
सूर्योदय	: 06:33:47 घंटे
सूर्यास्त	: 17:23:51 घंटे
दिनमान	: 10:50:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: हेमन्त
सूर्य के अंश	: 23:55:26 तुला
लग्न के अंश	: 15:43:08 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	: **वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	: **ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	: बुध
योग	: अतिगण्ड
करण	: तैतिल
गण	: राक्षस
योनि	: मृग
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: कीटक
वर्ग	: मृग
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: या-यतीन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:43:08	318:36:39	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	23:55:26	01:00:19	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	नीच राशि
चंद्र			वृश्चि	21:01:00	11:50:31	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	नीच राशि
मंगल			धनु	24:16:14	00:45:08	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध	व	अ	वृश्चि	05:30:15	00:52:34	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
गुरु	व		मेष	03:45:25	00:07:08	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	07:47:07	01:04:02	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	नीच राशि
शनि	व		मेष	19:31:17	00:04:50	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	13:10:32	00:10:53	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	13:10:32	00:10:53	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:09:20	00:00:56	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	07:56:56	00:00:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	15:38:10	00:02:12	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मीन	02:41:57	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:03

लग्न-चलित

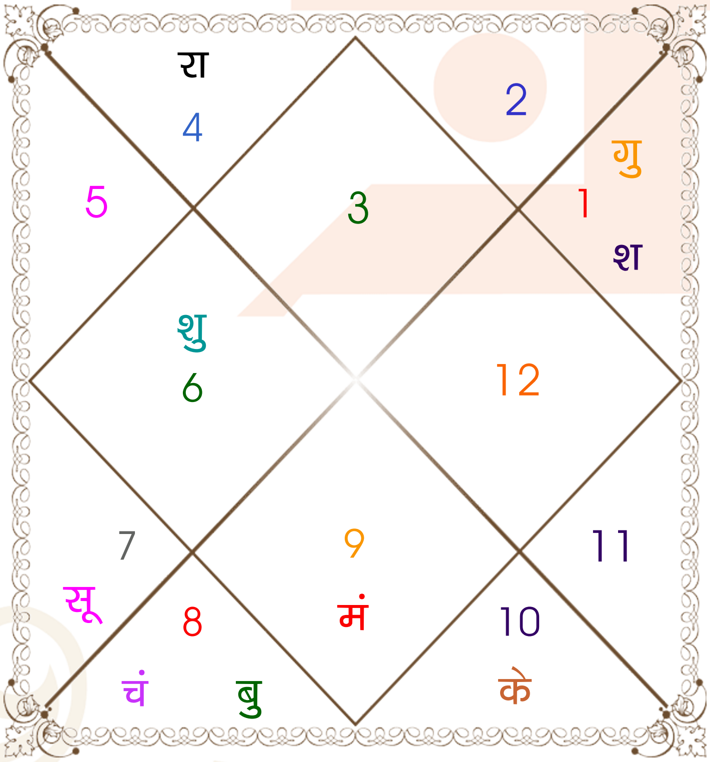

चन्द्र कुंडली

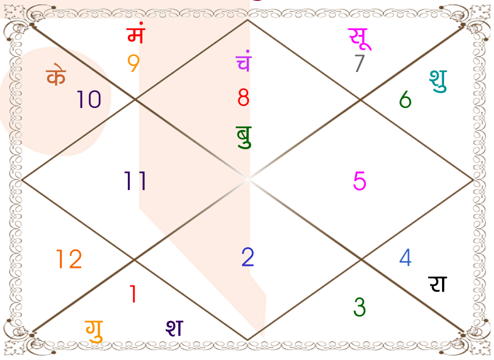

नवमांश कुंडली

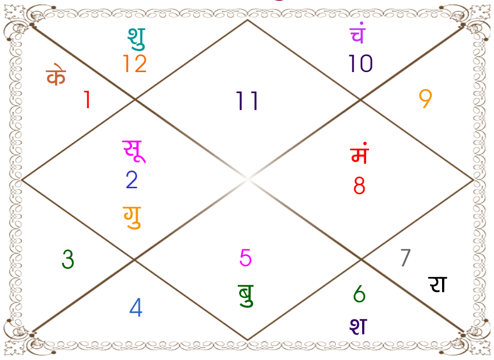

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 11 वर्ष 5 मास 13 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
10/11/1999		25/04/2011		25/04/2018		25/04/2038		24/04/2044	
25/04/2011		25/04/2018		25/04/2038		24/04/2044		25/04/2054	
	00/00/0000	केतु	21/09/2011	शुक्र	24/08/2021	सूर्य	12/08/2038	चंद्र	22/02/2045
	10/11/1999	शुक्र	20/11/2012	सूर्य	24/08/2022	चंद्र	11/02/2039	मंगल	23/09/2045
शुक्र	18/07/2000	सूर्य	28/03/2013	चंद्र	24/04/2024	मंगल	19/06/2039	राहु	25/03/2047
सूर्य	25/05/2001	चंद्र	27/10/2013	मंगल	24/06/2025	राहु	12/05/2040	गुरु	24/07/2048
चंद्र	24/10/2002	मंगल	25/03/2014	राहु	24/06/2028	गुरु	01/03/2041	शनि	23/02/2050
मंगल	21/10/2003	राहु	13/04/2015	गुरु	23/02/2031	शनि	11/02/2042	बुध	25/07/2051
राहु	10/05/2006	गुरु	19/03/2016	शनि	25/04/2034	बुध	18/12/2042	केतु	23/02/2052
गुरु	15/08/2008	शनि	27/04/2017	बुध	22/02/2037	केतु	25/04/2043	शुक्र	24/10/2053
शनि	25/04/2011	बुध	25/04/2018	केतु	25/04/2038	शुक्र	24/04/2044	सूर्य	25/04/2054

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
25/04/2054		24/04/2061		25/04/2079		25/04/2095		26/04/2114	
24/04/2061		25/04/2079		25/04/2095		26/04/2114		00/00/0000	
मंगल	21/09/2054	राहु	05/01/2064	गुरु	12/06/2081	शनि	28/04/2098	बुध	21/09/2116
राहु	09/10/2055	गुरु	31/05/2066	शनि	24/12/2083	बुध	06/01/2101	केतु	18/09/2117
गुरु	14/09/2056	शनि	06/04/2069	बुध	31/03/2086	केतु	15/02/2102	शुक्र	11/11/2119
शनि	24/10/2057	बुध	24/10/2071	केतु	07/03/2087	शुक्र	16/04/2105		00/00/0000
बुध	21/10/2058	केतु	11/11/2072	शुक्र	05/11/2089	सूर्य	29/03/2106		00/00/0000
केतु	19/03/2059	शुक्र	12/11/2075	सूर्य	24/08/2090	चंद्र	28/10/2107		00/00/0000
शुक्र	18/05/2060	सूर्य	05/10/2076	चंद्र	24/12/2091	मंगल	06/12/2108		00/00/0000
सूर्य	23/09/2060	चंद्र	06/04/2078	मंगल	29/11/2092	राहु	13/10/2111		00/00/0000
चंद्र	24/04/2061	मंगल	25/04/2079	राहु	25/04/2095	गुरु	26/04/2114		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 11 वर्ष 5 मा 17 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रुपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।